

विषय-सूची

प्रथम भाग : सामान्य विषय (Section I : General Issues)

- 1. कृषि अर्थशास्त्र : प्रकृति तथा क्षेत्र**
(Agricultural Economics : Its Nature and Scope)
कृषि अर्थशास्त्र की परिभाषाएँ; कृषि अर्थशास्त्र का क्षेत्र; कृषि तथा उद्योग में अन्तर।
- 2. कृषि अर्थशास्त्र की समस्याएँ**
(Problems of Agriculture Economics)
आंतरिक समस्याएँ; बाह्य समस्याएँ; कृषि अर्थशास्त्र की सीमाएँ; कृषि अर्थशास्त्र का अन्य विज्ञानों से संबंध; कृषि अर्थशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व एवं उपयोगिता; कृषि अर्थशास्त्र के अध्ययन का महत्त्व; कृषि अर्थशास्त्र का आर्थिक विकास में महत्त्व; प्रश्न।
- 3. कृषि तथा आर्थिक विकास**
(Agriculture and Economic Development)
आर्थिक विकास में कृषि का योगदान; औद्योगिक क्षेत्र का कृषि क्षेत्र को अंशदान; कृषि क्षेत्र का औद्योगिक क्षेत्र को अंशदान।
- 4. खेत संगठन**
(Farm Organisation)
प्रस्तावना; कृषक एवं परम्परागत खेती; पूंजीवादी खेती; सरकारी खेती; सामूहिक खेती; सहकारी खेती; भारत में सहकारी खेती।
- 5. भूमि सुधार**
(Land Reforms)
प्रस्तावना; काश्तकारी सुधार; भूमि सुधार के उद्देश्य; पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत सुधार; भूमि सुधारों का महत्त्व; मुख्य भूमि सुधार; भारत में भूमि सुधार।
- 6. कृषि में जोखिम तथा अनिश्चितता**
(Risk and Uncertainty in Agriculture)
प्रस्तावना; जोखिम तथा अनिश्चितता में अन्तर; कृषि में अनिश्चितता के प्रकार; जोखिम तथा अनिश्चितता से बचने के उपाय; सरकार द्वारा अनिश्चितता को कम करने के उपाय; औद्योगिक तथा कृषि अनिश्चितता में अन्तर।
- 7. कृषि की अस्थिरता**
(Instability of Agriculture)
प्रस्तावना; कृषि अस्थिरता के प्रकार; कीमत अस्थिरता; कृषि कीमत अस्थिरता के अपेक्षातया अधिक होने के कारण; आय अस्थिरता; कृषि कीमत और आय में उतार-चढ़ाव के प्रकार तथा कारण; कृषि की अस्थिरता को कम करने के उपाय।
- 8. कृषि में पूर्ति का उत्तर (जवाब)**
(Supply Response in Agriculture)

प्रस्तावना; पूर्ति उत्तर के संदर्भ में अलग-अलग विचार; एक विचार-किसान प्रायः कीमत परिवर्तन का उत्तर देता है; फसल उत्पादन तथा बाजार अतिरेक का कीमत के साथ विपरीत संबंध; कीमत परिवर्तन तथा कृषि फसलों की पूर्ति अचेतन-एक दृष्टिकोण।

9. विकासशील देशों में कृषि कीमत नीति

(Agricultural Price Policy for a Developing Country)

कीमत नीति की भूमिका; परम्परागत कृषि में कीमत नीति प्रभावशाली नहीं; गैर-परम्परागत कृषि में कीमत नीति प्रभावशाली; घनात्मक और ऋणात्मक कीमत नीति; कीमत निर्धारण का आधार; कृषि आगतों की कीमत-नीति; उपभोक्ता संरक्षण तथा कृषि कीमत नीति; सहायक नीतियां; भारत में कृषि कीमत नीति।

10. कृषि विपणन-I

(Agricultural Marketing-I)

प्रस्तावना; कृषि विपणन की कुशल पद्धति की आवश्यकता; कृषि विपणन की कार्यकुशलता परखने के विभिन्न प्रमाण; भारतीय कृषि विपणन की कार्यकुशलता; भारतीय कृषि विपणन को सुधारने के लिए किए गए उपाय।

11. कृषि विपणन-II

(Agricultural Marketing-II)

विपणन प्रबंध; कृषि विपणन की परिभाषा व अर्थ; एक अच्छी विपणन प्रणाली की विशेषताएँ; कृषि विपणन का महत्त्व; अच्छी कृषि विपणन प्रणाली के लाभ; कृषि विपणन कार्य; मानकीकरण या श्रेणीकरण और वर्गीकरण; मानकीकरण के लाभ या उसका महत्त्व; पैकिंग का अर्थ व परिभाषा; कृषि पदार्थों के विपणन में विभिन्न एजेंसियों व कार्यकर्ता व उनकी भूमिका; कृषकों का उत्पादन अधिशेष; विपणन माध्यम; कृषि विपणन के दोष व समस्याएँ; बाजार का वर्गीकरण, कृषि मण्डी दोष-निवारण के उपाय; नियंत्रित बाजार; सहकारी बिक्री व्यवस्था; बाट व नाप-तोलों का प्रमापीकरण; कृषि उपज का वर्गीकरण एवं मानकीकरण या श्रेणीकरण; विपणन सूचना; विपणन सूचना पद्धति; बाजार अनुसंधान व सर्वेक्षण; सुरक्षित संग्रहालयों की स्थापना; यातायात के उत्तम साधनों की व्यवस्था; चौ. चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान; कृषि विपणन में नए विकास, विपणन लागत, विपणन लागत के अध्ययन का महत्त्व; विपणन लागत कम करने के सुझाव; विपणन-लाभ; प्रश्न।

12. कृषि तथा राज्य

(State and Agriculture)

प्रस्तावना; कृषि विकास की विभिन्न अवस्थाएँ; प्रत्येक अवस्था में सरकार की भूमिका; भारत के संदर्भ में सरकार की नीति।

द्वितीय भाग : कृषि विकास सम्बन्धित विषय

(Section II : Issues Relating to Agricultural Development)

13. शुल्ज का कृषि रूपान्तरण सिद्धांत

(Schultz's Thesis of Transformation of Traditional Agriculture)

परम्परागत कृषि की परिभाषा; शुल्ज द्वारा परिभाषित परम्परागत कृषि की विशेषताएँ; परम्परागत खेती में अवटनात्मक कुशलता-निर्धन किन्तु योग्य परिकल्पना; शुल्ज के सिद्धांत की अलोचना; शून्य श्रम का सिद्धांत; परम्परागत कृषि को रूपान्तरण के लिए शुल्ज के सुझाव : आज्ञा प्रस्ताव, बाजार प्रस्ताव; नए साधनों की पूर्ति तथा मांग; शुल्ज के सिद्धांत का आलोचनात्मक मूल्यांकन।

14. फार्म-प्रबन्ध एवं प्रबन्ध के सिद्धांत

(Farm Management & Principles of Farm Management)

15. फार्म दक्षता का माप

(Measures of Farm Efficiency)

16. **मेलर का कृषि विकास सिद्धांत**
(Mellor's Theory of Agricultural Development)
प्रस्तावना; पारम्परिक खेती; प्रौद्योगिक रूप से गतिशील खेती व कम पूंजी पर आधारित प्रौद्योगिकी; प्रौद्योगिक रूप से गतिशील खेती और अधिक पूंजी पर आधारित प्रौद्योगिकी; आलोचनात्मक मूल्यांकन।
17. **बोशरप का कृषि विकास सिद्धांत**
(Boserup's Theory of Agricultural Development)
प्रस्तावना; जंगल ऊसर; झाड़ी बंजर; अल्प ऊर्वधि असर; वार्षिक फसल खेती; बहुफसलीय खेती; बढ़ती हुई जनसंख्या एवं अन्य परिवर्तन; बोशरप के सिद्धांत की आलोचना।
18. **आर्थिक विकास और कृषि का घटता हुआ महत्व**
(Economic Development and Declining Importance of Agriculture)
प्रस्तावना; आर्थिक वृद्धि को जारी रखने के लिए कृषि महत्व में कमी; उत्पादन के मुख्य स्रोत के रूप में कृषि का कम होता महत्व; विकासशील देशों की राष्ट्रीय आय में कृषि अंशदान घटते जाने के कारण; विकसित अर्थव्यवस्था में खेत की समस्या पैदा होना; अल्पविकसित देशों में खाद्यन्नों की समस्या।
19. **कृषि और उद्योग की व्यापार शर्तें**
(Terms of Trade between Agriculture and Industry)
प्रस्तावना; व्यापार की शर्तों में कृषि के अनुकूल परिवर्तन का प्रभाव; व्यापार की शर्तों का कृषि क्षेत्र के विपरीत परिवर्तन का प्रभाव; आर्थिक विकास की प्रक्रिया के दौरान कृषि तथा उद्योग की व्यापार शर्तों में परिवर्तन; भारत में स्वतंत्रता के पश्चात कृषि तथा उद्योग की व्यापार शर्तें।
20. **आर्थिक विकास का लुईस मॉडल**
(Lewis Model of Economic Development)
प्रस्तावना; मॉडल की मान्यताएं; मॉडल की कार्य प्रणाली; लुईस के मॉडल का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
21. **रेनिस-फाई मॉडल**
(Ranis-Fei Model)
प्रस्तावना; मॉडल की मान्यताएं; मॉडल की प्रक्रिया; रेनिस-फाई मॉडल का समीक्षात्मक मूल्यांकन।
22. **कृषि क्षेत्र से साधनों की गतिशीलता**
(Resource Mobilisation from the Agricultural Sector)
प्रस्तावना; पूंजी का एकत्रीकरण : कर, फीस, कृषि के विपरीत व्यापार की शर्तें, कृषकों द्वारा स्वयं निवेश, छिपे हुए बेरोजगार श्रमिकों का प्रयोग, कृषि क्षेत्र की बचतों को इकट्ठा करना; बाजार विपणन अधिशेष की गतिशीलता।
23. **बाजार में बिक्री के लिए अधिशेष के संघटन के उपाय**
(Mobilisation of Marketable Surplus)
बिक्री के लिए अधिशेष का आर्थिक विकास में महत्व; बिक्री के लिए अधिशेष को बढ़ाने के तरीके; प्रश्न।
24. **जोत का आकार और उत्पादकता**
(Size of the Farm and Productivity)
प्रस्तावना; खेत का आकार तथा उत्पादकता; फार्म का आकार तथा उत्पादकता के विपरीत संबंध की व्याख्या; हरित क्रान्ति तथा विपरीत संबंध; आकार तथा उत्पादकता से संबंधित नीति निर्धारण; पैमाने के प्रतिफल तथा विपरीत संबंध; खेत का आकार तथा लाभदायकता।
25. **कृषि में उत्पादन फलन का प्रयोग**
(Application of Production Function in Agriculture)
प्रस्तावना; उत्पादन फलन; प्रतिफल के नियम; घटते-बढ़ते अनुपात का नियम; साधन-उत्पाद

संबंध; साधन-साधन संबंध; सम उत्पाद वक्र तथा इसकी विवेकशील तथा अविवेकशील अवस्थाएं; दो आगतों का न्यूनतम लागत संयोग; विस्तार पथ; उत्पाद-उत्पाद संबंध; आगतों में प्रतिस्थापन लोच; काब-डगलस उत्पादन फलन।

26. **टोडैरा का ग्रामीण-शहरी स्थानांतरण और बेरोजगारी मॉडल**
(Land Use & Cropping Pattern in India)
27. **मकड़ी जाला प्रमेय**
(Cobweb Theorem)

तृतीय भाग : भारतीय कृषि संबंधित विषय (Section III : Issues Relating to Indian Agriculture)

28. **भारत में हरित क्रांति**
(Green Revolution in India)
प्रस्तावना; हरित क्रांति के कारण; हरित क्रांति के प्रभाव; हरित क्रांति का मूल्यांकन; हरित क्रांति की कमियां, समस्याएं तथा असफलताएं; हरित क्रांति के लाभ, सफलता तथा पक्ष में तर्क; हरित क्रांति की सफलता के सुझाव।
29. **भारत में कृषि मजदूर**
(Agricultural Labour in India)
प्रस्तावना; कृषि श्रमिकों का वर्गीकरण; कृषि श्रमिकों की संख्या; कृषि श्रमिकों की अधिक संख्या होने के कारण; कृषि श्रमिकों की आर्थिक अवस्था; कृषि श्रमिकों की खराब आर्थिक अवस्था के कारण; कृषि श्रमिकों की समस्याएं तथा कठिनाइयां; कृषि श्रमिकों की समस्याओं के समाधान हेतु सुझाव; कृषि श्रमिकों के संबंध में सरकार की नीति।
30. **भारतीय कृषि का यंत्रीकरण**
(Mechanisation of Indian Agriculture)
प्रस्तावना; भारत में कृषि यंत्रीकरण के पक्ष में तर्क; यंत्रीकरण के विपक्ष में तर्क; कृषि यंत्रीकरण की हानियां।
31. **कृषि वित्त एवं ग्रामीण ऋणग्रस्तता**
(Agricultural Finance and Rural Indebtedness)
प्रस्तावना; कृषि साख के साधन; कृषि साख की समस्याएं; कृषि वित्त के संबंध में सुझाव; कृषिगत साख पुनर्निरीक्षण समिति; कृषि साख तथा पंचवर्षीय योजना; ग्रामीण ऋणग्रस्तता; ग्रामीण ऋणग्रस्तता की विशेषताएं; ग्रामीण ऋण के कारण; ऋणग्रस्तता के प्रभाव; ऋणग्रस्तता की समस्या का हल।
32. **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)**
(Regional Rural Banks and National Bank for Agricultural & Rural Development—(NABARD))
परिचय; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का संगठनात्मक ढाँचा; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के कार्य; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की पुनर्संरचना; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की उपलब्धियाँ; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की समस्याएं; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कार्यशीलता में सुधार करने संबंधी सुझाव; राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक-नाबार्ड; प्रश्न।
33. **भारत में ग्रामीण बेरोजगारी**
(Rural Unemployment in India)
प्रस्तावना; भारत में बेरोजगारी तथा अल्परोजगार की समस्या के प्रभाव; बेरोजगारी की समस्या का वर्गीकरण; बेरोजगारी की समस्या के प्रभाव; बेरोजगारी की समस्या के कारण; भारत में रोजगार नीति अथवा भारत में बेरोजगारी दूर करने के संबंध में सुझाव; राष्ट्रीय विकास परिषद की रोजगार समिति की मुख्य सिफारिशें; सरकार द्वारा किए गए प्रयत्न; दसवीं योजना की रोजगार नीति।

- 34. ग्रामीण निर्धनता**
(Rural Poverty)
प्रस्तावना; भारत में निर्धनता की प्रवृत्ति; निर्धनता के कारण; निर्धनता को दूर करने के सुझाव; सरकार द्वारा निर्धनता को दूर करने के उपाय; निर्धनता तथा पंचवर्षीय योजनाएं; दसवीं पंचवर्षीय योजना में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम।
- 35. नियोजन काल में कृषि का विकास**
(Development of Agricultural during Plan Period)
प्रस्तावना; प्रथम पंचवर्षीय योजना में कृषि विकास; द्वितीय योजना में कृषि विकास; तृतीय योजना में कृषि विकास; वार्षिक योजनाएं और कृषि विकास; चौथी योजना में कृषि विकास; पांचवीं योजना में कृषि विकास; छठी योजना में कृषि विकास; सातवीं योजना में कृषि विकास; आठवीं योजना में कृषि विकास; नौवीं योजना में कृषि विकास; दसवीं योजना में कृषि विकास।
- 36. कृषि-जलवायु संबंधी नियोजन**
(Agro-climatic Planning)
प्रस्तावना; क्षेत्रीय योजना के लाभ; क्षेत्रीय नियोजन की प्रक्रिया; कृषि जलवायु संबंधी योजना की सीमाएं; भारत की क्षेत्रीय नियोजन की कार्य प्रणाली में सुधार के सुझाव।
- 37. कृषि तथा पर्यावरण**
(Agricultural and Environment)
प्रस्तावना; पर्यावरण के मानक; भूमि का निम्न स्तर; वनों का कटाव; जीव विविधता; कीट समस्या; कृषि तथा औद्योगिक व्यर्थ पदार्थों से छुटकारा पाना।
- 38. नई कृषि नीति**
(New Agricultural Policy)
प्रस्तावना; कृषि नीति के उद्देश्य; कृषि नीति की विशेषताएं; नई कृषि नीति; नई कृषि नीति के उद्देश्य; नई कृषि नीति की व्यूह रचना तथा उपाय; नई कृषि नीति की विशेषताएं; नई कृषि नीति का मूल्यांकन।
- 39. विश्व व्यापार संगठन तथा भारतीय कृषि**
(World Trade Organisation and Indian agriculture)
प्रस्तावना; विश्व व्यापार संगठन के उद्देश्य; डांकल ड्राफ्ट; WTO का क्षेत्र; विश्व व्यापार संगठन तथा कृषि व्यापार समझौता; आर्थिक उदारीकरण तथा कृषि पर इसका प्रभाव।
- 40. भारत में भूमि उपयोग एवं फसल पद्धति**
(Land Use & Cropping Pattern in India)
प्रस्तावना; भारत में भूमि का उपयोग; वैज्ञानिक फसल प्रारूप; भारत में मिट्टी दशाएं; भूमि क्षरण व भूमि संरक्षण; फसलों का प्रारूप; फसलों का क्षेत्रीय विशिष्टीकरण; फसल प्रारूप को प्रभावित करने वाले कारक; खाद्य फसलें; नकद या व्यावसायिक फसलें; प्रश्न।
- 41. भारत में सिंचाई एवं बहुउद्देशीय नदी घाटी योजनाएं**
(Irrigation & Multi-purpose River Valley Projects in India)
प्रस्तावना; भारत में सिंचाई के महत्व; ज संसाधनों के विकास हेतु प्रयास; कुएं एवं नलकूप; बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाएं; भारत की प्रमुख नदी घाटी योजनाएं; भारत में योजनाकाल में सिंचाई की प्रगति; वर्षा सिंचित कृषि प्रणाली; प्रश्न।
- 42. कृषि जोत : आकार तथा उप-विभाजन**
(Agricultural Holding-Size & Sub-division)
प्रस्तावना; फार्म के आकार को मापना; जोतों का वर्गीकरण; फार्म दक्षता और फार्म लाभदायकता के आधार पर फार्म का वर्गीकरण; लघु पैमाने की कृषि; फार्म आकार एवं उत्पादकता; भारत में जोतों का आकार एवं वितरण; भारत में जोतों का उप-विभाजन तथा अपखण्डन; जोतों के उपविभाजन एवं अपखण्डन के लाभ; जोतों की चकबन्दी; प्रश्न।

- 43. भारत में खाद्य समस्या**
(Food Problem in India)
प्रस्तावना; खाद्य समस्या का परिभाषात्मक पहलू; अनाज और दालों की शुद्ध उपलब्धता; खाद्यान्नों के अन्तर्गत क्षेत्र, उत्पादन एवं उत्पादकता में राज्यवार असमानता; दालों, तिलहनों एवं गन्ने के उत्पादन में अन्तरराज्यीय विषमता; भारत में खाद्य समस्या के कारण; खाद्यान्न समस्या को सुलझाने के लिए सरकार द्वारा उठाये गए कदम अथवा भारत सरकार की खाद्य नीति; अल्प पोषण की समस्या; खाद्यान्न में राजकीय व्यापार; प्रश्न।
- 44. भारत में सामुदायिक विकास तथा पंचायती राज**
(Community Development & Panchayati Raj in India)
प्रस्तावना; सामुदायिक विकास योजना के उद्देश्य; सामुदायिक विकास योजना के कार्यक्रम; सामुदायिक विकास योजना की प्रबन्ध-व्यवस्था; सामुदायिक विकास योजना की कठिनाइयाँ; सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की सफलता के लिए सुझाव; भारत में पंचायती राज; पंचायती राज की प्रगति; पंचायती राज की दुर्बलताएँ; पंचायती राज संस्थाओं में सुधार के सुझाव; भारत में ग्रामीण विकास की रणनीति; प्रश्न।
- 45. भारत में कृषि करारोपण**
(Agricultural Taxation in India)
प्रस्तावना; भारत में कृषि करारोपण की वर्तमान स्थिति; कृषि आयकर; कृषि सम्पत्ति एवं आय करारोपण समिति/ के.एन. राज समिति के सुझाव; प्रश्न।
- 46. भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली**
(Public Distribution System in India)
प्रस्तावना; सार्वजनिक वितरण प्रणाली के उद्देश्य; सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभ; सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंग; लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली; सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सफल बनाने हेतु निम्न सुझाव दिए जा सकते हैं; प्रश्न।
- 47. भारत में कृषि बीमा योजना**
(Agricultural Insurance Scheme in India)
भारतीय कृषि मानसून पर जुआ है; कृषि बीमा के प्रकार; भारत में फसल बीमा योजना के लिए प्रयास; फसल बीमा के लाभ; फसल बीमा की कार्य प्रणाली; बीज फसल बीमा; बीमा योजना लागू करने में कठिनाइयों; पशु बीमा; प्रश्न।
- 48. भारत में लघु तथा कुटीर उद्योग**
(Small Scale and Cottage Industries in India)
प्रस्तावना; उद्योगों का वर्गीकरण; लघु एवं कुटीर उद्योगों में अन्तर; भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु तथा कुटीर उद्योगों का महत्व; कुटीर व लघु उद्योगों की समस्याएँ एवं कठिनाइयाँ; सुधार के उपाय; योजनाकाल में लघु तथा कुटीर उद्योग; कुटीर एवं लघु उद्योगों के विकास के लिए राजकीय प्रयास; प्रश्न।
- 49. भारत में ग्रामीण आर्थिक क्रियाएं**
(Rural Economic Activities in India)
प्रस्तावना; पशुधन एवं डेरी विकास; पशुधन का महत्व; भारत में पशुधन की संख्या; भारतीय पशुधन की विशेषताएँ; पंचवर्षीय योजनाएँ और पशुधन का विकास; भारत में श्वेत क्रान्ति; पशुओं की दशा में सुधार लाने के उपाय; कुक्कुट पालन; भेड़ विकास; मत्स्य पालन एवं जल कृषि; भारत में पशु सुधार की दिशा में सरकारी प्रयास; भारत में वन संसाधन; वनों का वर्गीकरण; वनों का महत्व एवं उनके लाभ; भारतीय वन सम्पत्ति की मुख्य विशेषताएँ; भारत में वन सम्पदा का मुख्य समस्याएँ एवं उनका समाधान; वन नीति; योजनाओं में वनों की प्रगति; वनों के विकास के लिए सुझाव; सामाजिक वानिकी; प्रश्न।
- 50. समन्वित ग्राम विकास कार्यक्रम**
(Integrated Rural Development Programme)—(IRDP)
परिचय; समन्वित ग्राम विकास कार्यक्रम; सरकार द्वारा निर्धनता दूर करने के उपाय; रोजगार प्रोत्साहित करने को सरकारी प्रयास; प्रश्न।

This document was created with Win2PDF available at <http://www.win2pdf.com>.
The unregistered version of Win2PDF is for evaluation or non-commercial use only.
This page will not be added after purchasing Win2PDF.